

जा रहे हो तो जाओ ब्रज छोड़ कर | by Shri Rammohan Ji Maharaj

मोह में मथुरा चल दिए छोड़ ब्रज गोकुल की गली
दो रथ की पहिया को पकड़ के राधा यूँ कहने लगी
गर मैं ऐसा जानती की प्रीत किये दुःख होये
तो नगर ढिंढोरा पीटती की प्रीत ना करियो कोय

जा रहे हो तो जाओ ब्रज छोड़ कर सबका दिल तोड़ कर
प्रेम ब्रिज सा कन्हैया नहीं पाओगे नहीं पाओगे
जा रहे हो तो जाओ

ये लताए कदम्ब की ये डालियाँ
तेरे बचपन की साथी हैं सांवरिया
कुञ्ज गलियाँ कहानी तेरी गाये रही कान्हा तेरी गाये रही
ऐसी गलियाँ कन्हैयाँ नहीं पाओगे
जा रहे हो तो जाओ

लेके ग्वालो को घर में आना तेरा
घर के छींके से माखन चुराना तेरा
स्वाद माखन का जैसा ब्रिज में मिला तुझको ब्रज में मिला
स्वाद ऐसा कन्हैया नहीं पाओगे नहीं पाओगे
जा रहे हो तो जाओ

कितनी फोड़ी गगरिया पनघट पे
चीर किसके बचे श्याम प्यारे कहो
तेरे उधमों को जिसने हंस के सहा कान्हा हंस के सहा
ऐसे प्रेमी कन्हैया नहीं पाओगे नहीं पाओगे
जा रहे हो तो जाओ

प्रेम करके दीवाना बना के हमें
छोड़ जाते हो किसके सहारे कहो
तेरे मुरली के जैसे हम दीवाने हुए
ऐसे पागल कन्हैया नहीं पाओगे नहीं पाओगे
जा रहे हो तो जाओ

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%8b-%e0%a4%a4%e0%a5%8b-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%93-%e0%a4%ac%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%9c-%e0%a4%9b%e0%a5%8b%e0%a4%a1%e0%a4%bc-%e0%a4%95/>